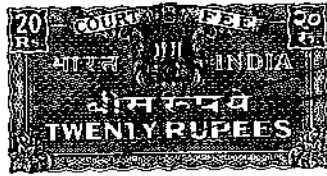


न्यायालय : माननीय राजस्व मंडल मध्यप्रदेश ग्वांतियर सर्किट कोर्ट रीवा

म०प्र०

राज. निगरानी क्र०/

/014



Rs. 20/-

R-3754-III/14

सत्यनारायण तनय रामानुज ब्रा० निवासी ग्राम नईगढी, थाना व तहसील नईगढी, जिला रीवा, म०प्र०.

-----आवेदक

बनाम

रामलाल तनय रामानुज ब्रा० निवासी ग्राम नईगढी, थाना व तहसील नईगढी, जिला रीवा, म०प्र०.

-----आवेदक

श्री. सेक्टर क्लर्क यादव सिंह द्वारा आज दिनांक 10-10-14 को प्रस्तुत किया गया।

रीवा सर्किट कोर्ट रीवा

3462

दिनांक 29-10-14 को

राजस्व मंडल मध्य प्रदेश ग्वांतियर सर्किट कोर्ट रीवा

निगरानी विरुद्ध निर्णय व आदेश नायब तहसीलदार, तहसील नईगढी, जिला रीवा दिनांक 30-07-11 जो प्रकरण क्र० 3-3-5/2010-11 में पारित किया गया।

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०प्र०भू०रा०सं० 1959

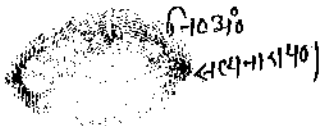
मान्यवर,

निगरानी अधिनियम के अंतर्गत निम्न आधारों पर प्रस्तुत है :-

101। यह कि निर्णय व आदेश अधिनियम न्यायालय विधि एवं प्रक्रिया के विपरीत होने से निरस्त किए जाने योग्य है।

102। यह कि अधिनियम न्यायालय ने आवेदक के आवेदन पर प्रस्तावित भूमि खतरा नं० 229/3248/6 का जिस स्थल पर नक्शा तैयारी किया जाने

[Handwritten signature]



दिनांक....

[Handwritten mark]

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक R. 3754/11/14 ..... जिला सीवा

स्थान तथा दिनांक	सत्या-गणना कार्यवाही तथा आदेश	समलाल पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
<p>29/9/16</p>	<p>मह निगामी नगर तहसीलदार नईगढ़ी जिला सीवा के प्रद.क्र. 318-5/10-11 में पारित आदेश दिनांक 30-7-11 से व्यतिरिक्त लोक प्रसृत किया गया।</p> <p>प्रकरण में आवेदक अधिवक्ता सनेन्दु कुमार पाण्डेय को सुना गया। आवेदक अधिवक्ता के तर्कों पर विचार किया तथा निगामी भेजे में अंकित विद्वानों का अवलोकन किया तथा अधीनस्थ न्यायालय के आक्षेपित आदेश का अवलोकन किया गया। अवलोकन करने पर पाया गया कि प्रकरण में मुख्य विवाद नब्ब्या तरमोम से संबंधित है।</p> <p>प्रकरण में आवेदक द्वारा सर्वे क्र. 229/3248/6 का नब्ब्या तरमोम किये जाने का निवेदन किया गया था जिसके क्रम में श.नि. से प्रतिवेदन प्राप्त का प्राप्त नब्ब्या तरमोम प्रस्ताव के आधार पर नब्ब्या तरमोम आदेश दिनांक 30-7-11 जारी किया गया जिसके विरुद्ध मह निगामी प्रसृत की गई है।</p> <p>प्रकरण में विद्यमान विवाद के संबंध में मह जांच किया जाता है कि अधे.क्र. 2543-6408-सतना-1 दिनांक 27 अगस्त 1968 (राजस्व दि. 30-8-68) का संहिता की धारा 71, 72, 73 (वर्गगत धारा 58, 69, 70) की शक्तियों वास्तु द्वारा तहसीलदार को प्रदत्त की गई है ऐसी स्थिति में नब्ब्या तरमोम करने की शक्तियों तहसीलदार को होने से नब्ब्या तरमोम का आदेश अस्वीकार्य की श्रेणी में आता है। ऐसी स्थिति में नब्ब्या तरमोम के आदेश के विरुद्ध संहिता की धारा 44(1) के निहित प्रावधान के अंतर्गत प्रत्येक मूल आदेश की आपील उपखण्डीय अधिकारी के अधीन द्वारा जारी की</p>	

*[Handwritten signature]*

स्थान तथा दिनांक

(1024-11/1307)

कार्यवाही तथा आदेश

रामलाल

पक्षकारों एवं अभिलेखकों आदि के हस्ताक्षर

R-3754-जा 114 स्थ 1

2-3-16

जाते की दशा में अनु अधिकारी को अपील होगी।

उक्त प्रवचन के अनुसंधान में तहसील/नामब तहसील  
 का परिश्रम नकशा तहसील के मूल आदेश के विकल्प  
 अपील संहिता को धारा 44(1) के अंतर्गत अनु अधिकारी  
 को होगी क्योंकि तहसील/नामब तहसील अनु अधिकारी के अधिकार  
 अधिकारी हैं। अपील योग्य आदेश के विकल्प निगली  
 आवेदन ग्राह्य नहीं किया जा सकता। चूंकि आवेदन  
 का निगली आवेदन राजस्व भांडार के कर्मचारी प्रस्तुत  
 किया गया है जो उचित मायामय में प्रस्तुत ही किया  
 गया है।

मायामय में यह आदेश दिया जाता है कि  
 राजस्व भांडार में निगली प्रस्तुत करने के दिनांक से  
 राजस्व भांडार के इस आदेश की वैधता आवेदन  
 को लेने तक की अवधि की छूट अपील प्रस्तुत  
 करने पर आवेदन को भी जावे। उपरोक्त निर्देशों  
 के साथ इस निगली प्रकृत का निगली किया  
 जाता है। आदेश की प्रति अधीन-मायामय को  
 भेजी जावे। पक्षकार सूचित है। प्रकृत रिपोर्ट।

  
 (नाम)

W